7

विद्युत और चुम्बकत्व का विशेष रिश्ता

विज्ञान शिक्षण में आजकल अवधारणा की समझ बनाने के लिए उस अवधारणा के विकास को ऐतिहासिक सन्दर्भ में देखने पर ज़ोर दिया जाता है। यह माना जाता है कि जब आप मुद्दों को ऐतिहासिक सन्दर्भ में देखते हैं तो विज्ञान की प्रकृति को लेकर भी कुछ स्पष्टता आती है - मसलन विज्ञान में कोई भी सिद्धान्त स्थाई नहीं होता। समय-समय पर नए प्रयोगों, नए अवलोकनों, नए विश्लेषणों आदि के आधार पर उसमें बदलाव आता है।

इन्दौर में शिक्षक प्रशिक्षण के दौरान विद्युतधारा और चुम्बकत्व के आपसी रिश्ते को समझने के लिए ऐसी ही एक कोशिश की गई। उस प्रशिक्षण की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत है।

सफरनामाः एक बाल अखबार का

बच्चों को स्कूली पाठ्यक्रम से इतर अपना कौशल दिखाने, अपने मन की बातें और मनोभावों को व्यक्त करने की स्वतंत्रता और जगह उपलब्ध करवाने के लिए बाल अखबार या दीवार अखबार का काफी उपयोग होता है।

बाल अखबार को तैयार करते समय बच्चों को समूह में काम करने का अनुभव तो मिलता है लेकिन यहाँ एक शिक्षक ने शहर के दो कोनों पर मौजूद बच्चों के दो समूहों के बीच न सिर्फ एक-दूसरे के लिखे बाल अखबार पहुँचा दिए, बल्कि बच्चों में दोस्ती का रिश्ता भी गूँथ दिया। कैसे हुआ यह सब, पढ़िए इस अनुभव में।

75

शैक्षणिक संदर्भ

अंक-25 (मूल अंक-82), जुलाई-अक्टूबर 2012

इस अंक में

4 | **आपने लिखा**

7 | **विद्युत और चुम्बकत्व का विशेष रिश्ता**
हिमांशु श्रीवास्तव

21 | **जैव-बहुलक कितने कड़क, कितने लचीले?**
सुपुर्णा सिन्हा

29 | **विश्व पुस्तक मेले में बच्चों के साथ (अ)संवाद**
सुमित त्रिपाठी

33 | **बच्चों के लिए किताबें चुनना**
अविनन्दन मुखर्जी

38 | **जब बिजली के झटके से मरते हैं**
संकलित

43 | **भूचुम्बकत्व, उपग्रह और खनिज सम्पदा**
सुजाता वरदराजन

59 | **टीएलएम - ज़रूरत या विवशता**
दिशा नवानी और कमलेश चन्द्र जोशी

75 | **सफरनामा: एक बाल अखबार का**
महेश झरबड़े

87 | **चीफ की दावत**
भीष्म साहनी

98 | **नाम पेल ग्रास ब्लू - रहती है खट्टी बूटी पर**
किशोर पंवार